अध्यक्ष महोदय : आप आकर बात कर लीजिये, जटिया जी, आप को कौन रोकता है, किसने रोका है । अगर कोई व्यवधान है तो आप मेरे पास आकर मुझे बतला दीजिये ।

श्री सत्यनारायण जटिया : अध्यक्ष महोदय, मैं बहुत शांतिपूर्ण तरीके से निवेदन करना चाहता था, परन्तु आप ध्यान-मग्न हो गये थे, इसलिये मुझे चिंता हो गई थी ।

अध्यक्ष महोदय : मैं समाधिस्थ हो गया था ;

श्री सत्यनारायण जटिया : समाधिस्थ होने से कैसे काम चलेगा, अध्यक्ष महोदय । मैं यह निवेदन कर रहा था कि राजस्थान में जैन-साधवियों को आतंकित करने वाली कार्यवाही की गयी है । यह बहुत चिंता का कारण है . . .

अध्यक्ष महोदय : आप आ कर मुझे बतला दीजिये, उस का कोई समाधान निकालेंगे ।

I am ready to explore any thing with you.

श्री जयपाल सिंह कश्यप (आंवला) : अध्यक्ष महोदय, मैं केवल आधा मिनट का समय लूंगा—उत्तर प्रदेश में बिजली का. . .

अध्यक्ष महोदय : बिजली पर मैंने तीन-तीन काल-एटेंशन करवाये हैं, शार्टेज पर करवाये हैं. . .

श्री जयपाल सिंह कश्यप : किसानों को ऋशर चलाने हैं, पानी की जरूरत है. . .

SHRI SATYASADHAN CHAKRABORTY (Calcutta South): I have been trying to catch your eye. You went into hibernations. It was very shocking to see that. Now you please allow.

You live in Delhi. Do not say—'not allowed'. You are living in Delhi. What is the law and order condition in Delhi? I have given adjournment motion. There is a news today about bomb blast in Delhi. It is in the papers.

MR. SPEAKER: This is under my consideration.

SHRI SATYASADHAN CHAKRABORTY: You ask the Government what is the law and order condition in Delhi.

(*Interruptions*)

अध्यक्ष महोदय : होम मिनिस्ट्री की डिमांड आ रही है, उस में इस को लिया जा सकता है ;

SHRI SATYASADHAN CHAKRABORTY: This is a serious matter. You live in Delhi. Your life is also not secure. What is happening? Bomb blasts! Government should come forward. . . . (*Interruptions*) This is a serious matter. You co-operate at least. What is the condition? If in the capital it happens like this, what will happen in the rest of the country?

MR. SPEAKER: Professor, you are a professor. If people of your class were to behave like this. . . .

SHRI SATYASADHAN CHAKRABORTY: That is why to-day I behaved very well. I was silently waiting and when I found you to be very calm I raised this.

MR. SPEAKER: We will take all the subjects turn by turn.

12.26 hrs.

MATTERS UNDER RULE 377

(i) NEED FOR A TELEVISION STATIONAT KOTA.

प्रो० निर्मला कुमारी शक्तावत (चित्तोड़गढ़) : यह सच है कि राजस्थान का कोटा शहर माइक्रोवेव चैनल जो दिल्ली से बोम्ब की है उस के बीच में स्थित है । जहां माइक्रोवेव टावर पर 100

बाट क्षमता के एन्टना लगा कर दूरदर्शन केन्द्र कोटा में स्थापित किया जा सकता है। इस टावर लगाने का खर्चा भी मात्र 2 लाख रुपया ही है। ऐसा अनुमान है मकान वगैरह सब बनान के केवल 5 5 लाख रुपय का खर्चा है। इस के लगने से कोटा तथा उस क आसपास के 50 किलोमीटर में स्थित रावतभाटा, रामगंज मंडी, बारां, केसोरामपाल, लाखरी, की परिधि के 300 से 400 गांवो तथा कस्बों के 5 या 6 लाख से अधिक आबादी के व्यक्ति टेलिविजन देख सकेंगे। एशियाड के समय माइक्रोवेव टावर से कई शहरो को जोड़ा गया तथा कोटा जैसे राजस्थान के औद्योगिक नगर की उपेक्षा दुःख का विषय रही। अतः भारत सरकार इस ओर ध्यान दें।

राजस्थान के दक्षिणी भाग के व्यक्ति भी इस परिधि में आए अतः इन्सेट 1 बी के समय चित्तौडगढ भीलवाड़ा तथा उदयपुर को इस परिधि में लिया जा सकता है। चित्तौडगढ़ इन दोनों बड़े नगरों के बीच में है। उस की पहाड़ियों पर माइक्रोवेव टावर लगा कर इस क्षेत्र की जनता को भी टेलिविजन देखने को मिल सकता है। अतः सरकार का ध्यान इस ओर दिलाना चाहूंगी।

12.28 hrs.

[MR. DEPUTY-SPEAKER *in the Chair*]

(ii) DEMAND FOR PROVIDING MARKET ABROAD FOR CASHEWNUTS FOR BENEFIT OF FARMERS OF KERALA.

PROF. P. J. KURIEN (Mavelikara): Sir, the cashew industry in Kerala is facing a serious crisis due to the accumulation of stock and the resultant crash in prices. Thousands of workers and their families are facing starvation as cashew factories are being closed down.

The sudden crisis has come about as a result of the virtual withdrawal of the Soviet Union from the market. Last year, the Soviet Union purchased about 21,183 tonnes of cashew out of a total of 29,449 tonnes exported. The industry was hoping to get repeat order from Soviet Union this year also. But this has not happened.

The other importing countries such as U.S.A., and other countries in Europe have substantially dropped their import, over a period of time. Moreover, vigorous competition from other countries has virtually purchased us out of the international market.

The above situation has caused a steep fall in the price of processed as well as raw cashew. In the international market, the price of processed cashew has come down to 180 cents from 260 cents per pound. In Kerala, the floor price for raw cashew had to be fixed at Rs. 4 a kilogram which was Rs. 8 last year. The cashew growers are very much distressed over this development.

Therefore, in order to save the workers and their families from starvation and to save this foreign-exchange-earnings industry from total ruin and to save the interest of the growers, I urge upon the Prime Minister to prevail upon the Soviet Union to come forward and resume purchase of cashew without any further delay.

(iii) ATTACK ON JOURNALISTS

श्री हरिकेश बहादुर (गोरखपुर) : उपाध्यक्ष महोदय, देश के विभिन्न पत्रकारों पर हो रहे हमले गंभीर चिंता के विषय हैं क्योंकि लोकतांत्रिक प्रणाली में स्वतंत्र, निर्भीक और निष्पक्ष पत्रकारिता लोकतंत्र के आधार को जहां पुष्ट करती है वहीं सामान्य जन के हितों की रक्षा भी करती है किन्तु यह दुर्भाग्यपूर्ण है कि हमारे देश के अनेक राज्यों में पत्रकार असुरक्षित हो गये है जिससे स्वतंत्र अभिव्यक्ति का संवैधानिक अधिकार भी खतरे में पड़ गया है। अभी कुछ जगहों पर ऐसी घटनायें हुई भी हैं। पूर्वी उत्तर प्रदेश में प्रायः पत्रकारों पर हमले होते है जिनमें पुलिस